

ब्रिटेन से वापस आएगी मां वाग्देवी की प्रतिमा!

● भारत सरकार ने तेज किए राजनयिक प्रयास



भोपाल (एजेंसी)। धार की ऐतिहासिक भोजशाला से एक सदी पहले ब्रिटेन ले जाई गई 11वीं शताब्दी की देवी वाग्देवी की सफेद संगमरमर की प्रतिमा को वापस लाने के लिए भारत ने राजनयिक प्रयास तेज कर दिए हैं। केंद्र सरकार मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध और उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद

लंदन संग्रहालय के साथ लगातार संपर्क में है, जिससे 2014 के बाद से 650 से अधिक प्राचीन कलाकृतियों को सफलतापूर्वक स्वदेश लाने वाले भारत के रिकॉर्ड में एक और बड़ा अध्याय जुड़ने की उम्मीद जगी है। धार की ऐतिहासिक भोजशाला का यह मामला है।

क्या लौट पाएगी वाग्देवी प्रतिमा

मध्य प्रदेश के लिए, व्यापक वैश्विक बहस का एक तात्कालिक और भावनात्मक रूप से आवेष्टित स्थानीय मुद्दा है। ऐसे में अब सवाल यह है कि क्या लंदन के ब्रिटिश संग्रहालय से देवी वाग्देवी के रूप में पूजी जाने वाली प्रतिमा अंततः धार लौट पाएगी। केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार से अनुरोध प्राप्त होने के बाद केंद्र ने राजनयिक और संस्थागत चैनलों के माध्यम से लगातार संपर्क बनाए रखा है।

भार्गव ने 4 साल में इंदौर को बर्बाद कर दिया, निगम को भ्रष्टाचार के गढ़ के रूप में स्थापित किया

● किसी घोटाले के दोषी को नहीं मिली सजा, नागरिकों की मौत के जिम्मेदारों को भी बचाने का काम किया ● महापौर परिषद के चार साल पूरे होने पर कांग्रेस का हमला, वित्तीय कुप्रबंधन और विकास कार्यों में विफलता के लगाए आरोप

इंदौर। महापौर परिषद के चार वर्ष पूरे होने पर शहर कांग्रेस ने नगर निगम के कामकाज पर तीखा हमला बोलते हुए इसे इंदौर के लिए 'निराशाजनक और विफल कार्यकाल' करार दिया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि इस कार्यकाल में नगर निगम आर्थिक संकट, भ्रष्टाचार, अधूरे विकास कार्य और प्रशासनिक लापरवाही का केंद्र बन गया। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि नगर निगम की वित्तीय स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कर्मचारियों के वेतन के लिए ओवरड्राफ्ट लेना पड़ा। ठेकेदारों के 500 करोड़ रुपये से अधिक के भुगतान लंबित हैं, जिसके कारण कई ठेकेदार टेंडर प्रक्रिया से दूरी बना रहे हैं और एक ही कार्य के लिए बार-बार निविदाएं जारी करनी पड़ रही हैं। उनका आरोप है कि चार वर्षों में दो बार संपत्ति कर बढ़ाकर नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला गया, जबकि विकास

कार्य अपेक्षित गति से नहीं हो सके। कांग्रेस ने महापौर पुष्पमित्र भार्गव पर भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर कार्रवाई नहीं करने का आरोप भी लगाया। नेताओं ने कहा कि ड्रेनेज लाइन घोटाला, फर्जी फाइल प्रकरण और हालिया नामांतरण घोटाले जैसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। नामांतरण घोटाले में सैकड़ों संपत्तियों के रिकॉर्ड में कथित गड़बड़ी के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कदम नहीं उठाए गए।

पत्रकार वार्ता में बेलेश्वर धाम हादसे और भागीरथपुरा की घटना का उल्लेख करते हुए कांग्रेस ने कहा कि इन मामलों में जिम्मेदारी तय करने और पीड़ित परिवारों को पर्याप्त राहत दिलाने में भी नगर निगम विफल रहा। नेताओं ने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारियों को संरक्षण दिया गया तथा पीड़ित परिवारों के पुनर्वास के लिए अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि महापौर राज्य सरकार के समक्ष इंदौर के हितों

की प्रभावी पैरवी नहीं कर सके। चुंगी क्षतिपूर्ति, स्टॉप ड्यूटी और अन्य मदों में नगर निगम के 600 करोड़ रुपये से अधिक की बकाया राशि, मास्टर प्लान, हुकुमचंद मिल परियोजना तथा महानगर प्राधिकरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर नगर निगम अपेक्षित परिणाम नहीं ला सका। नेताओं ने शहर की सड़कों, पेयजल आपूर्ति, ड्रेनेज व्यवस्था, सफाई, उद्यानों के रखरखाव, बीआरटीएस कॉरिडोर, ट्रैफिक प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि गमों के दौरान नागरिकों को पानी के लिए निजी टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ा, जबकि कई क्षेत्रों में दूषित पेयजल की शिकायतें लगातार बनी हुई हैं। कांग्रेस ने महापौर परिषद के चार वर्ष पूरे होने पर आयोजित किए जा रहे उत्सव पर भी आपत्ति जताते हुए मांग की कि नगर निगम अपनी वित्तीय स्थिति, विकास कार्यों की प्रगति और लंबित परियोजनाओं का सार्वजनिक लेखा-जोखा शहरवासियों के सामने प्रस्तुत करे।

नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एमपी देश का अग्रणी राज्य: सीएम

● 7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में मध्यप्रदेश के हरित ऊर्जा मॉडल का हुआ प्रेजेंटेशन ● स्वच्छ ऊर्जा और हरित परिवहन का दिया संदेश, सम्मेलन में शामिल होने दिल्ली मेट्रो से किया सफर



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। म.प्र. आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में शामिल होने के लिए एयरपोर्ट से दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के माध्यम से शिवाजी स्टेडियम तक यात्रा कर स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। दिल्ली मेट्रो अपने संचालन में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा का उपयोग करती है, इसलिए मुख्यमंत्री ने हरित ऊर्जा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में मेट्रो से यात्रा की।

438 मेगावॉट से बढ़कर 11,000 मेगावाट हो गई है ऊर्जा क्षमता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में मध्यप्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 438 मेगावॉट से बढ़कर 11,000 मेगावाट हो गई है, जो लगभग 25 गुना वृद्धि है। पिछले 2 वर्षों में राज्य सरकार ने नवकरणीय ऊर्जा, पंढ हाइड्रो ऊर्जा भंडारण तथा बायोमास नीतियां लागू कर निवेश और नवाचार को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि 750 मेगावाट रीवा अल्ट्रा मेगा सौर परियोजना ने देश में पहली बार सौर ऊर्जा का टैरिफ कोयला आधारित विद्युत से भी कम स्थापित किया। इस परियोजना को वर्ल्ड बैंक ग्रुप प्रेसीडेंट्स अवार्ड फॉर एक्सीलेंस प्राप्त हुआ तथा इसकी केस स्टडी हावर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई जाती है। वहीं 1,500 मेगावाट आगर-शाजापुर-नीमच सौर परियोजना में 2.14 रुपये प्रति यूनिट का रिकॉर्ड न्यूनतम सौर टैरिफ प्राप्त हुआ है और इससे भारतीय रेलवे को 8 राज्यों में हरित ऊर्जा उपलब्ध कराई जा रही है।

मध्यप्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों का दिया प्रेजेंटेशन

नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 में मध्यप्रदेश ने स्वच्छ एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों और भविष्य की कार्य योजना का प्रभावी प्रेजेंटेशन दिया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी तथा भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री एच.ई. ल्योनपो जेम त्शेरिंग तथा श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री अनुरा करुणाथिलका, अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा म.प्र. मनु श्रीवास्तव सहित देश-विदेश के ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है।

दतिया जीत के बाद अवधेश नायक को बड़ी जिम्मेदारी

● जीतू पटवारी ने बनाया प्रदेश महासचिव, 2028 मिशन मजबूत करने की जिम्मेदारी मिली

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी ने जिले के वरिष्ठ नेता अवधेश नायक को बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की सहमति से अवधेश नायक को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। गुरुवार को जारी हुए नियुक्ति आदेश में उनसे पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और संगठनात्मक अनुशासन के अनुरूप संगठन को मजबूत करने की अपेक्षा जताई गई है।

टिकट की दौड़ में था नायक का नाम - उल्लेखनीय है कि 2023

विधानसभा चुनाव और 2026 के दतिया उपचुनाव में अवधेश नायक का नाम टिकट की दौड़ में प्रमुखता से रहा, लेकिन दोनों बार पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया। इसके बावजूद उन्होंने उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह के समर्थन में सक्रिय भूमिका निभाई। नियुक्ति पर अवधेश नायक ने कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे और 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे।

नई चीनी मिल लगाएं और 70 करोड़ की सब्सिडी पाएं

1 रुपए में जमीन भी, बिहार सरकार का पोर्टल हुआ लॉन्च

पटना (एजेंसी)। बिहार में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने और औद्योगिक निवेश को रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने आधिकारिक रूप से शुगरकेन इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पोर्टल लॉन्च कर दिया। बिहार गन्ना उद्योग निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 के तहत तैयार किया गया यह डिजिटल पोर्टल निवेशकों के लिए एक पारदर्शी सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि इस नई नीति के तहत बिहार में निवेश करने वाले निवेशकों और



उद्योगपतियों को वित्तीय छूट और सुविधाएं दी जा रही हैं। मंत्री ने बताया कि जो भी बिहार में चीनी मिल लगाएगा, उसे कुल खर्च में से 70 करोड़ की सब्सिडी मिलेगी। साथ ही स्टेट जीएसटी में भी 5 साल तक छूट मिलेगी। बिहार सरकार का 25 नई मिलों का लक्ष्य-वर्तमान में बिहार में कुल 10 चालू चीनी मिलें हैं। हालांकि सम्राट चौधरी सरकार का लक्ष्य 25 और नई चीनी मिलें खोलने का है। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि सरकार लंबे समय से बंद पड़ी चीनी मिलों जैसे सकरी, रैयाम को दोबारा शुरू करने की योजना पर काम जारी है। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि इस पोर्टल के शुरू होने से निवेशकों को नीतिगत जानकारी, जमीन की उपलब्धता या सब्सिडी वलेम के लिए अलग-अलग सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। निवेशक पोर्टल पर जिलेवार उपलब्ध जमीन का ब्योरा देख सकेंगे।

आंदोलन, लोकतंत्र और विरोध की मर्यादा पर उठे सवाल, संसद घेराव की कोशिश पर राजनीतिक बहस तेज

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए धरना-प्रदर्शन और संसद घेराव की कोशिश के बाद देश की राजनीति में एक बार फिर आंदोलन की सीमाओं और लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों को लेकर बहस तेज हो गई है। शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे सरकार विरोधी बड़े अभियान का रूप लेता गया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों का दायरा बढ़ाते हुए सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की, वहीं विपक्षी दलों के समर्थन के बाद यह आंदोलन राजनीतिक रंग भी लेने लगा। आंदोलन की शुरुआत पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग से हुई थी। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि शिक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं और परीक्षाओं से जुड़े विवादों को लेकर सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए। धीरे-धीरे इस आंदोलन में कई अन्य मुद्दे भी शामिल होते गए और प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ अपनी आवाज को और तेज कर दिया। कुछ समय बाद आंदोलन स्थगित जरूर किया गया, लेकिन दोबारा बड़े स्तर पर प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी गई है।

इस आंदोलन को कई विपक्षी दलों का समर्थन मिला। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विपक्षी दलों ने इसे सरकार के खिलाफ अपनी आवाज मजबूत करने के अवसर के रूप में देखा। खासतौर पर वामपंथी दलों ने आंदोलन को समर्थन देकर अपनी सक्रियता दिखाई। वहीं आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसे दल भी अलग-अलग स्तर पर प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े नजर आए। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन में



शामिल होने को लेकर भी राजनीतिक विवाद सामने आया। भाजपा ने इसे संवैधानिक मर्यादाओं के खिलाफ बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकार बताते हुए सरकार पर निशाना साधा। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन की सीमा क्या होनी चाहिए और किस तरह के आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि लोकतंत्र में सरकार के फैसलों का विरोध करना हर नागरिक और संगठन का अधिकार है, लेकिन विरोध का तरीका संविधान और कानून के दायरे में होना जरूरी

है। संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है और उसके कामकाज में बाधा पहुंचाने या हिंसक माहौल बनाने की कोशिश लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकती है। इस पूरे विवाद के बीच डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों का भी उल्लेख किया गया। संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आंबेडकर ने लोकतंत्र की सफलता के लिए संवैधानिक रास्तों को अपनाने पर जोर दिया था। उनका मानना था कि किसी भी सामाजिक या राजनीतिक बदलाव के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक प्रक्रियाओं का सम्मान आवश्यक है। उन्होंने असंवैधानिक तरीकों को लोकतंत्र के लिए

नुकसानदायक बताया था। आंबेडकर ने संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण में कहा था कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है कि लोग अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संवैधानिक तरीकों का ही सहारा लें। उनका मानना था कि जब देश में लोकतांत्रिक रास्ते उपलब्ध हों, तब हिंसक या अराजक तरीकों का कोई औचित्य नहीं रह जाता। उनके अनुसार ऐसे तरीके धीरे-धीरे व्यवस्था को कमजोर कर सकते हैं।

संसद घेराव की कोशिश और प्रदर्शन के दौरान सामने आए कुछ विवादित बयानों को लेकर भी राजनीतिक माहौल गरमा गया। कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों की आलोचना हुई। वहीं सरकार की ओर से संयम बरतने और कानून व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भी कई मौकों पर राजनीतिक विरोध के बावजूद लोकतांत्रिक मर्यादा बनाए रखने की अपील की जाती रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी लोकतंत्र की मजबूती इस बात से तय होती है कि वहां सरकार की आलोचना कितनी स्वतंत्रता से की जा सकती है और साथ ही विरोध करने वाले लोग संवैधानिक सीमाओं का कितना सम्मान करते हैं। सरकार के खिलाफ आवाज उठाना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी भी चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने या संवैधानिक संस्थाओं पर अविश्वास पैदा करने वाली गतिविधियां लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। वर्तमान राजनीतिक माहौल में जरूरत इस बात की है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राथमिकता दें।

भाजपा मंडलों की मासिक बैठक संपन्न, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर हुआ मंथन

इंदौर भारतीय जनता पार्टी जिला के चारों ग्रामीण मंडलों की मासिक बैठक बुधवार को जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा एवं जिला प्रभारी शैलेंद्र डागा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, चल रहे अभियानों तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी के निर्देशानुसार मंडलों की नियमित मासिक बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में संगठन द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाती है। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती, हर घर तिरंगा अभियान तथा 16 अगस्त से प्रारंभ होने वाली कलश रथ यात्रा सहित विभिन्न कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने



का आह्वान किया।

जिला प्रभारी शैलेंद्र डागा ने कहा कि संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर संगठन एवं सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तथा प्रत्येक कार्यकर्ता से नियमित संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही पार्टी द्वारा दिए गए प्रत्येक

दायित्व का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करने का आग्रह किया। इस अवसर पर भारतसिंह चौहान सुभाष चौधरी दिलीप चौधरी अंतर दयाल सुरेश सिंह धनखेड़ी रीना सतीश मालवीय संदीप चंगेडीया शिवपाल सिंह चावड़ा तूफानसिंह पंवार रवि बाजपेई विष्णु चौधरी विनोद चंदानी लोकेन्द्र सिंह पंवार रवि जैन सुभाष पाटीदार अभिलेश ठक्कर सहित बैठक में मंडल पदाधिकारी, मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी शक्ति केंद्रों की टोली एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नारायण सिंह पंवार 45 वर्षों की निष्ठावान सेवा के बाद सेवानिवृत्त, मिलन समारोह में हुआ सम्मान



देपालपुर। बनेडिया शासकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक नारायण सिंह पंवार के सेवानिवृत्त होने पर उजालिया राधा मोहन राजपूत धर्मशाला में मिलन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक परिवार, राजपूत समाज के प्रबुद्ध जनों तथा इष्ट-मित्रों ने पंवार का साफा बांधकर और पुष्पमालाएं पहनाकर सम्मान किया। इस गरिमामय अवसर पर करणी सेना परिवार के जिलाध्यक्ष ऋषिराज सिंह सिसोदिया जिला पंचायत उपाध्यक्ष भरत पटेल, प्राचार्य श्रीमती दीपाली सोनी, मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं शिक्षा विभाग पेढी के संचालक

सोहनलाल परमार, जितेंद्र यादव, बाबूलाल पटेल, वरिष्ठ पत्रकार सतीश जोशी, बी.एल.चौहान, दिनेश परमार, सरपंच गोकुल सिंह पंवार, महेश वर्मा, राजकुमार पटेल रहे। अतिथियों ने शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर नारायण सिंह पंवार का सम्मान किया। सेवानिवृत्ति पर पंवार ने 41,000/ रुपये की राशि धर्मशाला, मंदिर, गौशाला एवं सेवा भारती को प्रदान की। समारोह में विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं व क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, वरिष्ठ समाज जनों, राजनेताओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का सफल संचालन सेवानिवृत्त शिक्षक रमेश चंद्र सोलंकी ने एवं अंत में आभार पूर्व सरपंच अर्जुन सिंह पंवार एवं शैलेंद्र सिंह ने माना।

ट्रेफिक आरक्षक पर मारपीट और बंधक बनाने के आरोप, कोर्ट ने लिया संज्ञान; समन जारी

राजेश धाकड़

इंदौर। करीब ढाई वर्ष पुराने एक मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (JMFC) ने यातायात पुलिस के आरक्षक संजय उईके के खिलाफ मारपीट, अवैध रूप से बंधक बनाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों पर प्रथम दृष्टया संज्ञान लेते हुए समन जारी करने के आदेश दिए हैं। प्रकरण में परिवादी की ओर से अधिवक्ता दीपक चौहान एवं मानसी जैन पाटोदी ने पैरवी की। परिवादी विशाल पिता लेखराज बाघमारे की ओर से दायर परिवाद में बताया गया कि 18 दिसंबर 2023 को वह आरोपी आरक्षक के रिश्तेदारों को उज्जैन दर्शन कराने गए थे। रास्ते में वाहन खराब होने पर उन्होंने इसकी सूचना आरोपी को दी। आरोप है कि आरोपी ने वाहन ठीक होने के बाद एमटीएच कम्पाउंड स्थित यातायात थाने आने, वाहन वहीं खड़ा करने तथा मेहनताना वहीं देने की बात कही।

परिवाद के अनुसार, जब विशाल यातायात थाने पहुंचे तो आरोपी आरक्षक एवं उसके साथियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि उन्हें करीब तीन घंटे तक एक कमरे में बंधक बनाकर मारपीट की गई, गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के बाद परिवादी ने पुलिस आयुक्त सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायतें दीं, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर



न्यायालय की शरण ली। विभागीय जांच, मेडिकल रिपोर्ट तथा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर न्यायालय ने प्रथम दृष्टया मामला विचारणीय मानते हुए भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 323, 342 एवं 506(2) के तहत संज्ञान लेकर आरोपी को न्यायालय में उपस्थित होने के लिए समन जारी करने के आदेश दिए। इस प्रकरण में अधिवक्ता जितेंद्र गुप्ता, हितेश शर्मा एवं खुशबू राठी बहेली सहयोगी अधिवक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

एआईसीसी मुख्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया इमरान प्रतापगढ़ी का जन्मदिन



नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी का जन्मदिन गुरुवार को गरिमामय एवं आत्मीय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर देशभर से आए कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएँ प्रेषित कर उनके स्वस्थ,

सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। समारोह के दौरान ग्राम पंचायत बांक के सरपंच एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सौहराब पटेल ने इमरान प्रतापगढ़ी का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया तथा जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि इमरान प्रतापगढ़ी जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने वाले लोकप्रिय जनप्रतिनिधि हैं और उनके

नेतृत्व से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निरंतर प्रेरणा मिलती है।

जन्मदिन समारोह में उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने इमरान प्रतापगढ़ी के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए उनके समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित योगदान की सराहना की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह 14 अगस्त को कारगिल नायक दिगेंद्र सिंह और पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल करेंगे शिरकत, 11 नए पदाधिकारियों का होगा नागरिक अभिनंदन

इंदौर। श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के तत्वावधान में बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन 14 अगस्त को रीगल चौराहा स्थित इंडियन काफी हाउस में सुबह 11.30 बजे किया जाएगा।

इस संबंध में ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल एवं मदन परमालिया ने संयुक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस गरिमामय कार्यक्रम के



मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल होंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में कारगिल युद्ध के नायक, शहीद-ए-आजम और आदरणीय श्री दिगेंद्र सिंह जी सम्मिलित होंगे। इस भव्य समारोह

में बार एसोसिएशन के सभी 11 नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का विशेष रूप से नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। इसके साथ ही, बार एसोसिएशन के कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

नशा मुक्त अभियान 2.0 के तहत आबकारी इन्दौर की कार्यवाही

कलेक्टर महोदय जिला-इन्दौर, श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार वृत्त पलासिया नशा मुक्त अभियान के तहत आबकारी इन्दौर की कार्यवाही प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक प्रियंका रानी चौरसिया एवं टीम के द्वारा दिनांक 05/08/2026 को विश्वसनीयता मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर नवलखा बस स्टैंड सार्वजनिक शौचालय के पास निर्माणाधीन बिल्डिंग के पास अवैध मदिरा विक्रय किया जाते आदतन आरोपी के पास से मदिरा प्लेन बरामद किया जा कर गिरफ्तार किया उसके पूछ ताछ करने पर मदिरा विक्रय व मदिरा परिवहन से संबंधित जानकारी व अवैध मदिरा परिवहन दो पहिया वाहन MP09ST3004 एक्टिवा गाड़ी जो उक्त परिसर में थी उसकी तलाशी लेने पर पाव मसाला बरामद किया गया।

उक्त मदिरा तथा वाहन विधिवत् जप्त कर कब्जे आबकारी लिया जाकर

आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायलय में 6.8.26 को प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेजा गया आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34 व 45 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में विवेचन जारी है *जब्त मदिरा और वाहन का कुल बाजार मूल्य =85000/- नशा मुक्त अभियान 2.0 के अंतर्गत



अवैध मदिरा परिवहन, अवैध मदिरा संग्रह, आदि के विरुद्ध सख्त कार्यवाही लगातार आबकारी विभाग इंदौर द्वारा की जायेगी कार्यवाही में मुख्य आरक्षक तरुण सिंह जाट, अजय चंद्रवाल का सराहनीय योगदान रहा।

भरोसे की कीमत

कवि: गोपाल गावंडे

कुछ लोग सपनों के पीछे दौड़ते रहे,
कुछ लोग उन सपनों के साथ जुड़ते रहे।

जिनकी अपनी कोई मंजिल न थी,
वे हमारे कारवाँ का हिस्सा बनते गए।
हमने उन्हें अपना समझा,
वे हमारी हर जीत के गवाह बनते गए।

कंधे से कंधा मिलाकर चले,
रोटी भी बाँटी, रास्ते भी।
हमने भरोसा दिया,
उन्होंने मुस्कान में राज छिपाए।

लेकिन एक दिन सच सामने आया...
कारवाँ बाहर वालों से नहीं हारा,
हार तो अपनों के हाथों लिखी गई।
घर का भेदी लंका ढाए,
यह कहावत फिर सच हो गई।

जिस हाथ को थामकर आगे बढ़े,
उसी हाथ ने पीठ पर वार किया।
जिसे अपना समझा,
उसी ने सफ़र को बिखेर दिया।
तब समझ आया-

हर साथ चलने वाला हमसफ़र नहीं होता,
हर मुस्कुराता चेहरा वफ़ादार नहीं होता।
सफलता का सबसे बड़ा इम्तिहान
मंजिल तक पहुँचना नहीं,
बल्कि मंजिल तक पहुँचते हुए
सही लोगों को पहचानना है।

भरोसा कीजिए...
मगर आँखें बंद करके नहीं।
क्योंकि कई बार
दुश्मन सामने नहीं होता,
वह आपके साथ ही चल रहा होता है।

फिर भी सफ़र मत रोकिए,
क्योंकि विश्वास टूट सकता है,
लेकिन हौसला नहीं।

कारवाँ फिर बनेगा,
मंजिल फिर मिलेगी,
और इतिहास गवाह रहेगा-
विश्वासघात से इंसान रुकता नहीं,
और मजबूत होकर आगे बढ़ता है।



संसद में गतिरोध से
लोकतंत्र की गरिमा
पर सवाल, सार्थक
बहस की जरूरत

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में लगातार जारी हंगामे के बीच अब इस बात की आशंका बढ़ गई है कि पूरा सत्र बिना किसी सार्थक कामकाज के ही समाप्त हो सकता है। सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध खत्म करने के लिए संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजीजू और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच बातचीत हुई, लेकिन अभी तक कोई ऐसा रास्ता निकलता नजर नहीं आया है, जिससे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके। विपक्ष की ओर से मांग की जा रही है कि काकोरच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई कथित हिंसा को लेकर गृह मंत्री अमित शाह सदन में बयान दें। इसके साथ ही राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित चोरी के मामले पर संसद में चर्चा कराने की मांग भी उठाई जा रही है। राहुल गांधी का कहना है कि इन मुद्दों पर सरकार की ओर से जवाब आने तक संसद की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकती। हालांकि, सरकार और विपक्ष के बीच इस टकराव के कारण संसद का महत्वपूर्ण समय लगातार प्रभावित हो रहा है।

महू नाका चौराहा इंदौर के प्रवेश द्वार की अनदेखी, जाम, अतिक्रमण और बदहाल व्यवस्था पर उठे सवाल

इंदौर। माँ अहिल्या की नगरी इंदौर का प्रमुख और ऐतिहासिक महू नाका चौराहा, जिसे महाराणा प्रताप चौराहा और काला घोड़ा चौराहा के नाम से भी जाना जाता है, आज अपनी पहचान के बावजूद उपेक्षा का शिकार होता दिखाई दे रहा है। शहर के सबसे महत्वपूर्ण सात रास्तों वाले इस चौराहे से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन यहां बढ़ते अतिक्रमण, यातायात अव्यवस्था और सौंदर्यीकरण की अनदेखी के कारण लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

महू नाका चौराहे के आसपास इंदौर की ऐतिहासिक धरोहर लालबाग पैलेस स्थित है, जबकि समीप ही माँ अहिल्या लोक का भव्य निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसी चौराहे पर महाराणा प्रताप की विशाल प्रतिमा और किले की तर्ज पर निर्मित बाउंड्री इसकी अलग पहचान बनाती है। साथ ही यहां पूर्व मंत्री स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह गौड़ की प्रतिमा तथा इंदौर का सबसे बड़ा तरण पुष्कर (स्विमिंग पूल) भी स्थित है, जो वर्षों से शहर की पहचान का हिस्सा रहा है। इसी चौराहे से इंदौर की पहली स्मार्ट सिटी रोड का निर्माण किया गया था, जिसके लिए सैकड़ों नागरिकों ने अपने मकानों के अग्रभाग तक त्याग दिए। यही मार्ग कलेक्टर कार्यालय तक जाता है, जिसे लाइली लक्ष्मी पथ के नाम से जाना जाता है। इसके बावजूद



चौराहे के एक तिकोने भूखंड पर फल एवं सब्जी विक्रेताओं के अतिक्रमण ने पूरे क्षेत्र की व्यवस्था बिगाड़ दी है। सड़क किनारे लगी दुकानों और उनके ग्राहकों के वाहनों के कारण हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। विशेष रूप से कलेक्टर चौराहे से लालबाग होते हुए महू नाका से अन्नपूर्णा रोड की ओर मुड़ने वाले वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे के चारों ओर वाहनों की धीमी रफ्तार और लगातार लगने वाले जाम से प्रतिदिन हजारों नागरिक प्रभावित होते हैं। क्षेत्र में अनेक स्कूल और कॉलेज होने के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थी भी इसी मार्ग से गुजरते हैं, जिससे

दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा हाल ही में चौराहे के समीप शराब दुकान और अहाता शुरू होने से क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक छवि पर भी सवाल उठ रहे हैं। महू नाका चौराहा शहर के कई महत्वपूर्ण स्थलों को जोड़ता है। यहीं से गंगवाल बस स्टैंड, रणजीत हनुमान मंदिर और माँ अन्नपूर्णा मंदिर के लिए मार्ग जाता है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके बावजूद इस महत्वपूर्ण चौराहे के लिए भविष्य में न तो फ्लाईओवर की कोई योजना दिखाई दे रही है, न लेफ्ट टर्न चौड़े करने की योजना और न ही किसी व्यापक सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव सामने आया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर निगम मुख्यालय, पुलिस कमिश्नर कार्यालय और महापौर निवास जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय इसी मार्ग पर स्थित हैं तथा वरिष्ठ अधिकारी प्रतिदिन इस रास्ते से गुजरते हैं। इसके बावजूद महू नाका चौराहे की समस्याएं वर्षों से जस की तस बनी हुई हैं। नागरिकों ने मांग की है कि इस चौराहे को शहर के महत्व के अनुरूप विकसित किया जाए, अतिक्रमण हटाया जाए, यातायात सुधार के लिए स्थायी योजना बनाई जाए और सौंदर्यीकरण के साथ आधुनिक ट्रैफिक प्रबंधन लागू किया जाए, ताकि इंदौर के इस प्रमुख प्रवेश द्वार को उसकी गरिमा के अनुरूप स्वरूप मिल सके।

...पछतावा...

उम्र गुजर गई, तब समझ में आया,
जिंदगी तो जीनी थी,
पर हम उसे टालते ही रह गए।

वक्त की रफ्तार को हल्का समझा,
और एक दिन वही वक्त
हमसे बहुत आगे निकल गया।

दौलत कमाने में इतने व्यस्त रहे,
कि रिश्तों की दौलत खो बैठे।
घर तो बड़ा बना लिया,
मगर अपनों के लिए
दिल का दरवाजा छोटा कर बैठे।

जब तक माँ-बाप साथ थे,
सोचा—अभी तो बहुत समय है।
जब समय मिला,
तब उनके बिना घर ही सूना था।

बच्चे बड़े हो गए,
दोस्त बिछड़ गए,
अपने दूर हो गए,
और हम बस यही सोचते रह गए—



“काश... थोड़ा समय उन्हें भी दिया होता।”

जिंदगी का सबसे बड़ा सत्य यही है—
हर काम का एक सही समय होता है।

जो समय निकल गया,
वह फिर कभी लौटकर नहीं आता।

इसलिए आज ही प्रेम कर लीजिए,
आज ही माफ़ कर दीजिए,
आज ही अपने सपनों पर
काम शुरू कर दीजिए,
और आज ही अपनों का हाथ थाम लीजिए।

क्योंकि उम्र के आखिरी पड़ाव पर
न बैंक बैलेंस याद आता है,
न शोहरत, न पद, न पहचान...

बस एक ही आवाज
मन के भीतर गूँजती है—
“काश...
जिंदगी को समय रहते जी लिया होता।”
समय को मत टालिए,
समय के साथ चलिए।
वरना एक दिन
समय आगे निकल जाएगा,
और पीछे रह जाएगा—
सिर्फ पछतावा।

ग्राम अरंडिया में चार साल से अधूरा पड़ा नाला और सड़क निर्माण, रहवासी जान जोखिम में डालकर चलने को मजबूर

स्थान: ग्राम अरंडिया, बायपास रोड (वार्ड क्रमांक 36, ज़ोन क्रमांक 22), इंदौर (म.प्र.)। **समस्या:** पिछले 4 वर्षों से नाला और सड़क का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। खतरा: बारिश के दिनों में नाला उफान पर रहता है, सड़क पर पानी भरने से खुले हुए लोहे के सरिफ दिखाई नहीं देते, जिससे बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

सह सम्पादक-दीपक वाड़ेकर

इंदौर: शहर के वार्ड क्रमांक 36 अंतर्गत ग्राम अरंडिया बायपास रोड के रहवासी पिछले चार सालों से नगर निगम की लापरवाही का खामियाजा भुगतने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासी दीपक कुमावत ने नगर निगम महापौर को दिए गए शिकायती आवेदन में बताया है कि उनके घर के सामने लगभग चार साल पूर्व क्षेत्र के पार्षद श्री सुरेश कूरवाड़े द्वारा सड़क को खोदकर नाला निर्माण का कार्य शुरू कराया गया था, जो आज



तक अधूरा पड़ा है।

अधूरे निर्माण के कारण न तो नाला पूरा बन

पाया है और न ही सड़क का पुनर्निर्माण हुआ है, जिससे क्षेत्र के लोगों का जीना मुहाल हो गया है।

बरसात में नाला बनता है आफत वर्तमान में स्थिति बेहद गंभीर और खतरनाक हो चुकी है। रहवासियों का कहना है कि वर्षा ऋतु में यह नाला नदी की तरह उफान पर बहता है, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। नाले का निर्माण अधूरा होने के कारण उसमें से निकले नुकीले लोहे के सरिफ पानी में छिप जाते हैं, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना या जनहानि होने की आशंका बनी रहती है।

कीचड़, बीमारियां और प्रशासनिक उदासीनता

सड़क का काम अधूरा रहने के कारण बारिश में भारी कीचड़ हो जाता है, जिससे पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गड्ढों और नाले में पानी भरा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के

फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है।

सिर्फ मिले आश्वासन, कार्रवाई सिर्फ

पीड़ित निवासी दीपक कुमावत ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में कई बार क्षेत्रीय पार्षद से फोन पर संपर्क किया तथा हर साल 15 अगस्त एवं 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर भी सार्वजनिक रूप से इस गंभीर समस्या से अवगत कराया, लेकिन हर बार सिर्फ कोरे आश्वासन ही मिले, जमीन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

महापौर और कलेक्टर कार्यालय में गुहार

क्षेत्रीय जनता ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी वर्षा ऋतु से पहले नाला और सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण नहीं किया गया, तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस संबंध में रहवासी ने नगर निगम महापौर कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय, इंदौर में लिखित आवेदन देकर तत्काल राहत दिलाने की गुहार लगाई है।

टीसीएस कंपनी में कार्यरत युवती से कथित लव जिहाद, दुष्कर्म और लाखों की टगी का मामला

राजेश धाकड़

इंदौर। श्री राजपूत करणी सेना के कार्यालय पर एक युवती ने पहुंचकर देवास निवासी शाहरुख बाग पर गंभीर आरोप लगाए। युवती का कहना है कि आरोपी ने अपना नाम महेंद्र बताकर उससे दोस्ती की, शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए, ब्लैकमेल कर उससे 7 से 8 लाख रुपये ले लिए और बाद में शादी से इनकार करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

युवती पुणे स्थित टीसीएस कंपनी में निजी नौकरी करती है। पीड़िता के अनुसार अप्रैल 2025 में पुणे के चौपाटी क्षेत्र में उसकी मुलाकात शाहरुख से हुई थी। आरोपी ने अपना नाम महेंद्र बताया और धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत और दोस्ती हो गई। इसके बाद उसने शादी का प्रस्ताव रखा और अपने परिवार से मिलवाने के बहाने 15 मई 2025 को उसे देवास ले गया। वहां घर पर कोई नहीं होने

के बावजूद आरोपी ने शादी का झांसा देकर कथित रूप से उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी कई बार पुणे आया और शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस दौरान उसने शादी के बाद एक होने की बात कहकर उससे उधार के नाम पर करीब 7

से 8 लाख रुपये भी ले लिए। युवती का कहना है कि नवंबर 2025 में दोनों के बीच इस राशि को लेकर एक एग्रीमेंट भी कराया गया था। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि 17 मई 2026 को जब वह देवास में आरोपी से शादी की बात करने पहुंची तो उसने शादी से साफ इनकार कर दिया, अश्लील गालियां दीं और दोबारा घर आने पर जान से मारने की धमकी दी। युवती का यह भी आरोप है कि देवास में उसके साथ पहली बार शारीरिक संबंध बनाते समय आरोपी ने पिस्तौल दिखाकर उसे डराया था। श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह दीक्षित ने मामले में आरोपियों के विरुद्ध दुष्कर्म, धोखाधड़ी, धमकी सहित अन्य गंभीर धाराओं में कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान हिंदूवादी मान सिंह राजावत, रणविजय सिंह तोमर, कपिल कौशल सहित संगठन के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



एमजेएस कॉलेज रनिंग ट्रैक के विकास को लेकर पद्मश्री डॉ. लोहिया ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भिंड। अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराक एवं पद्मश्री सम्मान से सम्मानित डॉ. सतेन्द्र सिंह लोहिया ने भिंड स्थित एम.जे. एस. कॉलेज स्टेडियम के रनिंग ट्रैक के शीघ्र विकास एवं खेल सुविधाओं के उन्नयन की मांग को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने जिले के खिलाड़ियों के हित में जल्द आवश्यक कार्यवाही करने का आग्रह किया है। डॉ. लोहिया ने अपने पत्र में बताया कि 2 अगस्त 2026 को भिंड में आयोजित रन फॉर समृद्धि भिंड कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने एम.जे.एस. कॉलेज स्टेडियम का निरीक्षण किया, जहां बारिश के कारण रनिंग ट्रैक पूरी तरह जलमग्न था। ट्रैक पर चारों ओर कीचड़ और पानी भरा होने से खिलाड़ियों एवं युवाओं को अभ्यास और दौड़ने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने लिखा कि भिंड जैसे जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन आधारभूत खेल सुविधाओं के अभाव में खिलाड़ियों की प्रतिभा प्रभावित हो रही है। स्वयं भिंड की धरती से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी होने के नाते अपने गृह जिले के खिलाड़ियों की यह स्थिति देखकर उन्हें गहरा दुख हुआ। पत्र में

मुख्यमंत्री से स्टेडियम में प्राथमिकता के आधार पर रनिंग ट्रैक पर तत्काल मुरम डालकर समतलीकरण कराने, स्थायी समाधान के रूप में पक्का अथवा सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बनाने, जल निकासी (ड्रेनेज) की समुचित व्यवस्था विकसित करने तथा खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए आवश्यक खेल



सुविधाओं का विस्तार कराने की मांग की गई है। डॉ. लोहिया ने पत्र में उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री स्वयं भी खेलों से जुड़े रहे हैं और खिलाड़ियों की भावनाओं को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि भिंड के युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं तो वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

पुरानी कचहरी स्थित
एसडीएम कार्यालय के सामने
बंद कमरे में लगी आग
मचा हड़कंप



कटनी। पुरानी कचहरी स्थित पुराने एसडीएम कार्यालय के सामने गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब परिसर में स्थित एक पुराने बंद पड़े कमरे में अचानक आग भड़क उठी। आग की लपेटें और धुआं निकलता देख आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई घटना की सूचना तत्काल नगर निगम के अग्निशमन दल को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और कर्मचारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से आग आसपास के हिस्सों में फैलने से रुक गई और बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग जिस कमरे में लगी, वह लंबे समय से बंद पड़ा था। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान में कटनी पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी केंद्र एवं राज्य सरकार पर साधा निशान

नवल किशोर

कटनी। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत कटनी पहुंचे मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश को कर्ज के बोझ तले दबा दिया है, जबकि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में शायद ही कोई ऐसा सरकारी कार्यालय बचा हो, जहां बिना पैसे के आम नागरिक का काम हो सके। आए दिन रिश्वतखोरी से जुड़े वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं, जो सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। उन्होंने कहा



कि भाजपा सरकार ने जनता से किए गए वादों में से एक भी वादा पूरा नहीं किया। दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणाम इसका स्पष्ट प्रमाण हैं। जनता ने भाजपा को सत्ता से हटाकर यह संदेश दिया है कि वह बदलाव चाहती है और कांग्रेस संगठन पर भरोसा जता रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि

दतिया उपचुनाव में भाजपा ने लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च किए और 20 मंत्रियों की ड्यूटी लगाई, इसके बावजूद जनता ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर भाजपा को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि दतिया की जनता का फैसला पूरे प्रदेश की जनभावना को दर्शाता है। जीतू पटवारी ने बताया कि वह जल्द ही

पुनः कटनी जिले का दौरा करेंगे। इस दौरान जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग बैठकें आयोजित कर कार्यकर्ताओं से संवाद किया जाएगा, ताकि कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

छात्रों के आंदोलन और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब देश के बच्चों और उनकी शिक्षा की सुरक्षा का सवाल आया तो राहुल गांधी ने गैर-राजनीतिक भाव से आगे बढ़कर उनकी आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ अलग-अलग प्रकार की यातनाएं हुईं, जिसके विरोध में कांग्रेस ने उनका साथ दिया। पत्रकार वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह तथा शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला सहित कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

33 करोड़ की लागत से निर्मित महर्षि सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण करेंगे विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक

कटनी। विजयराघवगढ़ विधानसभा में शिक्षा के क्षेत्र को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ने जा रही है। बरही खितौली क्षेत्र के हर वर्ग, विशेषकर गरीब तबके के विद्यार्थियों को सर्वसुविधायुक्त, अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए युवाओं और



विद्यार्थियों के प्रेरणास्रोत विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के सतत एवं अथक प्रयासों से करेला में 33 करोड़ 50 लाख की लागत से नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ होने जा रहा है। शुक्रवार 07 अगस्त 2026 को दोपहर 1.00 बजे सांदीपनि विद्यालय, करेला का लोकार्पण विजयराघवगढ़

विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के करकमलों द्वारा अन्य अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न होगा। सांदीपनि विद्यालय विद्यालय के प्रारंभ होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा का बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक जी का सदैव यह प्रयास रहा है कि विजयराघवगढ़ विधानसभा का प्रत्येक विद्यार्थी बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त करे।

गोहद विधानसभा में बसपा का संगठनात्मक बदलाव, राहुल बंसल बने अध्यक्ष



भिंड/गोहद। बहुजन समाज पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर गोहद विधानसभा संगठन में व्यापक फेरबदल किया गया है। जिला अध्यक्ष सुरेश बड़ैया की अनुशंसा पर आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

इस संबंध में गुरुवार को अधिकृत पत्र जारी किया गया। जारी आदेश के अनुसार राहुल बंसल को गोहद विधानसभा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं महेंद्र सिंह कुशवाह को

विधानसभा उपाध्यक्ष, महाराज सिंह माथुर को विधानसभा महासचिव, पान सिंह पहाड़िया को विधानसभा सचिव तथा मुन्नालाल फौजी को विधानसभा कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला अध्यक्ष सुरेश बड़ैया ने बताया कि संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से यह फेरबदल किया गया है। उन्होंने सभी नवनिर्भुक्त पदाधिकारियों से पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन विस्तार के लिए पूरी निष्ठा

के साथ कार्य करने का आह्वान किया। नवनिर्भुक्त विधानसभा अध्यक्ष राहुल बंसल ने शीर्ष नेतृत्व एवं जिला संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और बहुजन समाज पार्टी की जनहितकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य किया जाएगा।

आज 7 अगस्त को जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा सीईओ करेंगे योजनाओं की समीक्षा

नवल किशोर

कटनी। शुक्रवार, 7 अगस्त को मंगल भवन में 11.30 बजे से जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री युजवेंद्र कोरी योजनाओं को गति प्रदान करने समीक्षा करेंगे। श्री कोरी ने समस्त ग्राम पंचायतों के सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, सहायक यंत्री, उपयंत्री, पंचायत समन्वय अधिकारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी और शाखा प्रभारी को समीक्षा बैठक में अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। अवगत होवें कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को लेकर जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अत्यंत जवाबदेही के साथ तत्परता पूर्वक आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

समीक्षा के मुद्दे- जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के सीईओ श्री कोरी द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का संतुष्टि पूर्ण निराकरण, मुख्यमंत्री जन कल्याण



संबल योजना, अनुग्रह सहायता, व्हीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत श्रमिक नियोजन में वृद्धि एवं अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास पूर्णता, समग्र ई-केवाईसी एवं निर्धारित एजेंडा के अनुसार अन्य विषयों पर समीक्षा की जाएगी।

शहरी सुअरों से त्रस्त वार्डवासियों का फूटा गुस्सा: सैकड़ों लोगों ने सौपा सामूहिक ज्ञापन, SDM ने CMO को दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश

करैरा //टीला रोड क्षेत्र में फसलें हो रही बर्बाद, घरों में घुसकर सुअर फैला रहे गंदगी और नुकसान; नगर परिषद को समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश। करैरा। नगर परिषद क्षेत्र के टीला रोड स्थित वार्डवासियों ने आवारा शहरी सुअरों से बढ़ती परेशानी को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) करैरा अनुपम शर्मा को सामूहिक आवेदन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि शहरी सुअर प्रतिदिन उनके खेतों में घुसकर खड़ी फसल को नष्ट कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सुअर खेतों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि घरों में घुसकर घरेलू सामान को नुकसान पहुंचाते हैं तथा आसपास गंदगी फैलाने से लोगों का जीवन दूधर हो गया है। आवेदन में आरोप लगाया गया कि सुअरों के मालिक को कई बार फोन और मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन इसके बावजूद कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। मोतीलाल, अहिरवार शिवकुमार समाज सेवी लाली बेदोरिया सहित सैकड़ों वार्डवासियों द्वारा दिए गए सामूहिक आवेदन में प्रशासन से मांग की गई कि आवारा शहरी सुअरों को तत्काल पकड़वाकर इस समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए, ताकि किसानों की फसल सुरक्षित रह सके और वार्डवासियों को राहत मिल सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम करैरा ने तत्काल नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (CMO) को लिखित निर्देश जारी कर वार्डवासियों की समस्या के शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

महापौर श्रीमती सूरि सख्त: अमृत योजना के कार्यों में नहीं होगी लापरवाही बर्दाश्त सुरक्षा, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ शेष कार्य शीघ्र करें पूर्ण

नवल किशोर

सीवर, जलप्रदाय एवं अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं की समीक्षा, अधिकारियों को दिए स्पष्ट और कड़े निर्देश

कटनी। नगर निगम में बुधवार को आयोजित अमृत योजना एवं जलप्रदाय विभाग की समीक्षा बैठक में महापौर श्रीमती प्रीत संजीव सूरि ने सीवर, जलप्रदाय एवं अन्य अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, जनसुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में महापौर ने अमृत योजना अंतर्गत सीवर कार्यों की प्रगति का नेटवर्क मैप के माध्यम से अवलोकन किया। शहर के जिन क्षेत्रों में सीवर लाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा जहाँ कार्य प्रगति पर है, उसकी विस्तार से समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना के कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप किए जाएं। वर्षा ऋतु को देखते हुए महापौर ने सभी सीवर कार्य स्थलों पर आवश्यक बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीवर कार्य दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए, जिससे श्रमिकों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। साथ ही



जय हिंद चौक एवं कटनी साउथ स्टेशन रोड पर बने गड्डों को जनहित एवं सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल भरवाने के निर्देश भी दिए। महापौर ने निर्देशित किया कि जिन स्थानों पर सीवर लाइन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहाँ मोटरबल व रेस्टोरेशन कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो और सड़क एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को शीघ्र पूर्ववत किया जाए। उन्होंने अमृत योजना अंतर्गत शेष सीवर कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक संसाधनों का समुचित उपयोग करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में एसटीपी, डब्ल्यूटीपी एवं अन्य जलप्रदाय परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। महापौर ने कहा कि जलप्रदाय से जुड़े सभी निर्माण एवं तकनीकी कार्य गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि भविष्य में नागरिकों को बेहतर

एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराई जा सके। इसके साथ ही शहर में पाइपलाइन विस्तार एवं सिटी डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के कार्यों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान महापौर ने कहा कि अमृत योजना केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य शहर के नागरिकों को आधुनिक, सुरक्षित एवं व्यवस्थित आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक परियोजना में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए सभी कार्यों को गति देने और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

न्यायालय के आदेश का सम्मान कर जल्द कराए जाएं प्रत्यक्ष छात्रसंघ चुनाव: एनएसयूआई जिलाध्यक्ष समीर खान

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर एनएसयूआई जिला अध्यक्ष समीर खान ने पत्रकार वार्ता आयोजित कर सरकार से जल्द प्रत्यक्ष छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को माननीय न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए शीघ्र चुनाव प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, ताकि छात्रों को अपने लोकतांत्रिक प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मिल सके।

समीर खान ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर छात्रसंघ चुनाव कराने से बच रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को डर है कि छात्र राजनीति के माध्यम से नए, जमीनी और मजबूत युवा नेतृत्व का उदय होगा।

उन्होंने छात्रसंघ चुनाव को लोकतंत्र की पहली पाठशाला बताते हुए कहा कि देश और प्रदेश के कई बड़े नेता छात्र राजनीति से निकलकर आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से छात्रसंघ



चुनाव नहीं होने के कारण कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रों की समस्याओं का प्रभावी प्रतिनिधित्व नहीं हो पा रहा है। छात्रों की आवाज को लोकतांत्रिक मंच नहीं मिल रहा, जिससे छात्र हित प्रभावित हो रहे हैं।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार न्यायालय के आदेश के बावजूद जल्द

प्रत्यक्ष छात्रसंघ चुनाव कराने की घोषणा नहीं करती है, तो एनएसयूआई कार्यकर्ता मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे और प्रदेशभर में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द छात्रसंघ चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया जाए।

सीएम राइज संदीपनी मॉडल स्कूल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर हर



झांसी-शिवपुरी नेशनल हाईवे पर स्थित संदीपनी मॉडल स्कूल, सरकारी अस्पताल और सामुदायिक भवन तक पहुंचने के लिए केवल एक ही मार्ग है, जिस पर दिनभर भारी ट्रकों और बड़े वाहनों की आवाजाही रहती है। इससे स्कूली बच्चों, शिक्षकों, मरीजों और अस्पताल स्टाफ की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में इसी स्थान पर एक सड़क हादसा भी हो चुका है। अब किसी बड़े हादसे से पहले समाधान की मांग तेज हो गई है। समाज सेविका लाली बेदोरिया के नेतृत्व में स्कूल के प्रधानाध्यापक, बीएमओ,

शिक्षक, रसोइयों और अन्य कर्मचारियों ने एडीएम को सामूहिक आवेदन सौंपकर सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग बनाने की मांग की है। मांग: जब तक पुल का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक अस्पताल के पीछे से टीला रोड चौराहे तक कच्चा मार्ग बनाया जाए, ताकि विद्यार्थियों, मरीजों और आम नागरिकों को सुरक्षित आवागमन मिल सके। अब सबकी निगाहें प्रशासन पर हैं। उम्मीद है कि जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई होगी। अब सभी क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रशासन पर हैं।

हृदय की शक्ति, आत्मा की अनुभूति

मानव के सूक्ष्म शरीर में स्थित सात प्रमुख चक्रों में चौथा चक्र अनहद या हृदय चक्र कहलाता है। यह उरोस्थि (स्टर्नम) के पीछे, मेरूरज्जु के स्तर पर स्थित है तथा इसकी बारह पंखुड़ियाँ मानी गई हैं। सहजयोग के अनुसार बाल्यावस्था में यह चक्र शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और शरीर को विभिन्न प्रकार के आक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करने में सहायक होता है।

हृदय चक्र केवल शारीरिक स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक उन्नति का भी आधार है। यह चक्र तीन भागों—दायाँ, बायाँ और मध्य—में कार्य करता है, जिनका अपना विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है।

दायाँ हृदय : श्रीराम का आदर्श

हृदय चक्र के दाएँ भाग में श्रीराम का स्थान

माना गया है। श्रीराम मर्यादा, उत्तरदायित्व और आदर्श पितृत्व के प्रतीक हैं। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में पिता से जुड़ी पीड़ा, दूरी या मानसिक असंतुलन हो, तो इसका प्रभाव दाएँ हृदय पर पड़ सकता है। सहजयोग में श्रीराम के ध्यान द्वारा इस पक्ष को संतुलित करने का मार्ग बताया गया है।

बायाँ हृदय : मातृत्व और शिव तत्व

हृदय चक्र का बायाँ भाग मातृत्व, करुणा और भावनात्मक सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। जब किसी व्यक्ति के जीवन में मातृत्व से संबंधित भावनात्मक आघात, असुरक्षा या गहरे मानसिक तनाव उत्पन्न होते हैं, तो उनका प्रभाव इस केंद्र पर देखा जा सकता है। सहजयोग में बाएँ हृदय चक्र में श्री शिव का स्थान तथा हृदय में आत्मस्वरूप श्री सदाशिव का वास बताया गया है। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात साधक अपने भीतर स्थित इसी दिव्य चेतना का अनुभव करने लगता है।



मध्य हृदय : देवी जगदम्बा की करुणा

हृदय चक्र का मध्य भाग साक्षात् देवी जगदम्बा का स्थान माना गया है। जब यह केंद्र असंतुलित होता है, तो व्यक्ति भय, असुरक्षा और आत्मविश्वास की कमी का अनुभव कर सकता है। किंतु इसके जागृत होने पर भीतर धैर्य, साहस, विश्वास और

निर्भयता का संचार होता है। आत्मसाक्षात्कार के बाद जब यह चक्र प्रकाशित होता है, तब साधक के भीतर सुरक्षा की गहरी अनुभूति जागृत होती है। वह निडर, ओजस्वी तथा आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनता है। साथ ही, हृदय में निस्वार्थ प्रेम, करुणा और सहज स्नेह का प्रवाह विकसित होता है। सहजयोग के अनुसार कुण्डलिनी दिव्य शक्ति है और चक्र आध्यात्मिक विकास की सीढ़ियाँ हैं। इन सभी चक्रों के संतुलन और जागरण के माध्यम से साधक अंततः हृदय में स्थित शिव तत्व का अनुभव करता है। हृदय चक्र की शुद्धता और जागृति से जीवन में प्रेम, संतुलन, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक आनंद का विकास होता है। सहजयोग पूर्णतः निःशुल्क है और अत्यंत सरल भी। निकटतम सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क करें।

15 अगस्त से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बढ़लेगी स्पीड लिमिट, देश में पहली बार लागू होगी नई व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) पर सफर करने वाले वाहन चालकों के लिए 15 अगस्त से बड़ा बदलाव होने जा रहा है। देश में पहली बार किसी एक्सप्रेसवे पर वैरिएबल स्पीड लिमिट (परिवर्तनीय गति सीमा) की व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके तहत दिन के अलग-अलग समय में ट्रैफिक के दबाव के अनुसार वाहनों की अधिकतम गति सीमा बदलेगी। पहले चरण में यह व्यवस्था एक्सप्रेसवे की दिल्ली सीमा में अक्षरधाम से सराय काले खाँ के बीच लागू की जाएगी। यह प्रयोग इस लिए किया जा रहा है कि अक्षरधाम से आगे एकसाथ वाहनों का जाम न लगे। स्पीड कंट्रोल कर आइटीओ व सराय काले खाँ समेत अन्य स्थानों पर पहुंचने वाले वाहनों की संख्या कम की जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की इस परियोजना पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआईटी) रुड़की और केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) ने मिलकर काम किया है। अधिकारियों के अनुसार इसका उद्देश्य सड़क पर भीड़ कम करना, दुर्घटनाओं में कमी लाना और यातायात को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

लाल किले पर पहली बार गूंजेंगे 'वंदे मातरम' के सभी 6 छंद, 80वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रगान से पहले होगा राष्ट्रगीत

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वाधीनता के 80वें समारोह में लालकिला राष्ट्रगीत वंदे मातरम से ओतप्रोत होगा। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस की मुख्य थीम वंदे मातरम रखी गई है। बड़े-बड़े अक्षरों में वंदे मातरम दर्शकों में जहां भक्ति भाव से पूर्ण करेगा। वहीं, पहली बार स्वतंत्रता दिवस समारोह के मौके पर लाल किला परिसर में वंदे मातरम के सभी छंद के गान लोगों में देशप्रेम के भाव को प्रगाढ़ करेंगे।

पूरा देश वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ मना रहा है। साथ ही संसद के मानसून सत्र में वंदे मातरम विधेयक पारित किया गया है, जिसमें राष्ट्रगान से पहले राष्ट्र गीत बजाया जाएगा, उसमें भी सभी छंद बजेंगे, जिसमें सभी को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा। इस कानून के बाद से लालकिला परिसर में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रगीत अनिवार्य हो गया है। पहले प्रधानमंत्री द्वारा ध्वजारोहण के साथ अमूमन, राष्ट्रगान ही होता था। अब पहले राष्ट्र गीत का गान होगा।

देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर ऐतिहासिक लाल किले पर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। देशभक्ति के इस सबसे बड़े उत्सव को भव्य, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए संबंधित विभाग

दिन-रात तैयारियों में जुटे हुए हैं। समारोह स्थल पर राष्ट्रीय चेतना का अहसास कराने के लिए लाल किले के मुख्य द्वार



पर विशाल अक्षरों में वंदे मातरम अंकित करने की तैयारी है। इसके साथ ही दर्शक दीर्घा को इस बार खास आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पहचान दी जा रही है। समारोह में आने वाले अतिथियों और नागरिकों के बैठने के लिए

बनाए जा रहे सभी सेक्टरों के नाम देश की प्रमुख नदियों (जैसे गंगा, यमुना, गोदावरी, कावेरी आदि) के नाम पर रखे गए हैं। कर्तव्य पथ की तर्ज पर अत्याधुनिक हाइड्रोलिक कुर्सियां

समारोह में अतिथियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इस बार दर्शक दीर्घा में फोल्डिंग हाइड्रोलिक कुर्सियां लगाई जा रही हैं। यह वही अत्याधुनिक कुर्सियां हैं जिनका उपयोग अब तक गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर किया जाता रहा है। इन्हें आसानी से ला-ले जाकर सेट किया जा सकता है, जिससे व्यवस्था अधिक सुदृढ़ और आरामदायक बनी रहेगी।

मानसून के महेनजर जलभराव से निपटने के कड़े इंतजाम: स्वतंत्रता दिवस आयोजन के दौरान यदि वर्षा होती है, तो जलभराव की स्थिति न बने, इसके लिए विशेष जल निकासी व्यवस्था की गई है। लाल किला परिसर और आसपास के क्षेत्रों में उच्च क्षमता वाले बड़े-बड़े पंप तैनात किए गए हैं। संबंधित एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में पानी तुरंत निकाला जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस, पैरा मिलिट्री फोर्स और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हैं।

दो अनुस्मारक के बाद भी नहीं मिला जवाब

दिल्ली सरकार में 650 करोड़ के खरीद घोटाले को लेकर प्रमुख सचिव को नोटिस जारी, स्वास्थ्य मंत्री ने मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार में दवाओं, उपभोग्य सामग्रियों और चिकित्सा उपकरणों के 650 करोड़ के खरीद घोटाले को लेकर जवाबदेही तय करने की कार्यवाही तेज हो गई है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

आरोप है कि सरकार के तीन बार निर्देश देने के बावजूद लंबित खरीद प्रक्रियाओं की विस्तृत कार्ययोजना और कार्यवाई रिपोर्ट नहीं सौंपी गई। मंत्री ने इसे गंभीर प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

26 मई को दिया था पहला निर्देश: नोटिस के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग को 26 मई को सभी लंबित खरीद प्रक्रियाओं के

लिए बिंदुवार कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया था। इसमें दवाओं, उपभोग्य सामग्रियों और चिकित्सा उपकरणों की



खरीद पूरी करने की समयसीमा तय करने के साथ सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों से मांग भेजने की समयसीमा की समीक्षा भी शामिल थी। जून और 22 जुलाई को फिर से अनुस्मारक

भेजे गए। इसके बावजूद विभाग ने न तो अपेक्षित जानकारी उपलब्ध कराई और न ही कार्यवाई रिपोर्ट सौंपी। कारण बताओ

सेवाओं पर प्रतिकूल असर पड़ा। इसे गंभीर प्रशासनिक लापरवाही माना गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रमुख सचिव से पूछा है कि सरकार के निर्देशों की अनदेखी क्यों की गई और कई अनुस्मारकों के बावजूद कार्यवाई रिपोर्ट क्यों नहीं भेजी गई। साथ ही यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि कथित कर्तव्यहीनता के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सेवा आचरण नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाई की संस्तुति क्यों नहीं की जानी चाहिए। यह कार्यवाई ऐसे समय हुई है जब दिल्ली सरकार सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) के माध्यम से दवाओं, सर्जिकल सामग्री और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित अनियमितताओं की जांच करा रही है।

गाजियाबाद में एलएलबी की पढ़ाई करेगा दिल्ली दंगों का आरोपी शादाब, कोर्ट ने दी दाखिले की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़दूमा कोर्ट ने वर्ष 2020 के दिल्ली दंगा साजिश मामले के आरोपित शादाब अहमद को गाजियाबाद स्थित कृष्णा लॉ कॉलेज में एलएलबी पाठ्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने उसे चार से सात अगस्त तक सुबह 10 बजे से शाम सात बजे के बीच दिल्ली से बाहर जाने की इजाजत दी है, ताकि वह प्रवेश संबंधी औपचारिकताएं पूरी कर सके।

शादाब अहमद की ओर से पेश अधिवक्ता राहुल देव ने अदालत को बताया कि उनका मुवक्किल विधि की पढ़ाई करना चाहता है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पांच जनवरी को जमानत देते समय लगाई गई शर्तों के कारण वह अब तक दाखिला नहीं ले सका।

जमानत की शर्तों के अनुसार, उसे अदालत की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली छोड़ने की अनुमति नहीं है। बचाव पक्ष ने अदालत को यह भी बताया कि दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अन्य मामले में उसे इसी तरह की अनुमति दी थी और इस मामले में भी वही दृष्टिकोण अपनाने का अनुरोध किया।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर

वाजपेयी ने याचिका स्वीकार करते हुए शादाब को निर्धारित अवधि के दौरान प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति प्रदान की।



अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि शादाब तय तिथियों पर सुबह 8:30 बजे संबंधित पुलिस थाने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के आधे घंटे के भीतर उसे जाने दिया जाएगा। शादाब अहमद पहले गाजियाबाद के एक विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (बीसीए) की पढ़ाई पूरी कर चुका है और दिल्ली के जगतपुरी स्थित एक फैक्ट्री में सुपरवाइजर के रूप में कार्य कर चुका है। वह वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की कथित साजिश के मामले में आरोपित है।